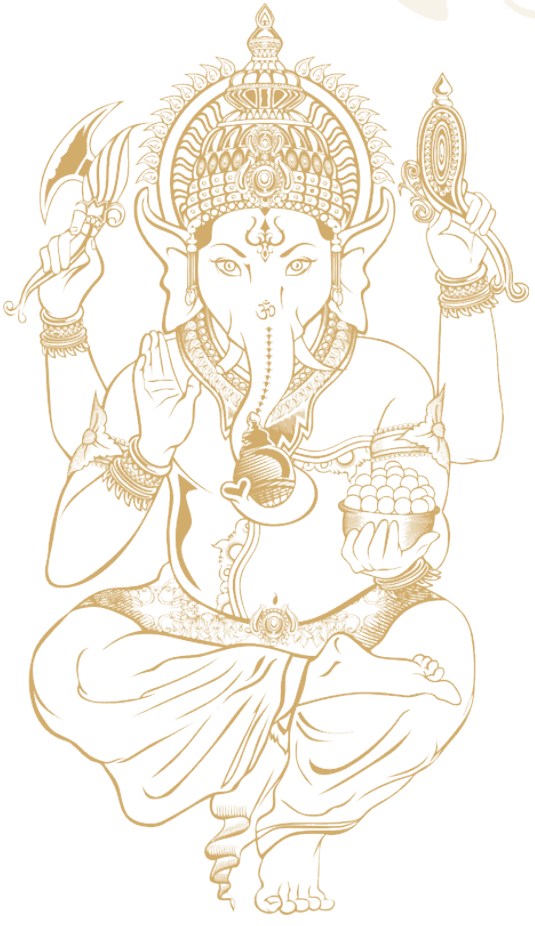

Anshu

09 Oct 2003

07:30 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121145704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/10/2003**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:30:00 घंटे**
इष्ट	03:00:31 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:09:12 घंटे
वेलान्तर	00:12:34 घंटे
साम्पातिक काल	08:18:21 घंटे
सूर्योदय	06:17:47 घंटे
सूर्यास्त	17:58:19 घंटे
दिनमान	11:40:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:27:50 कन्या
लग्न के अंश	06:25:00 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:25:00	312:33:32	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	21:27:50	00:59:13	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मीन	07:34:57	12:24:45	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
मंगल			कुंभ	07:07:52	00:09:11	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध			कन्या	09:33:15	01:43:41	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु			सिंह	15:02:21	00:11:40	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	05:13:00	01:14:38	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मूलत्रिकोण
शनि			मिथु	19:04:06	00:01:52	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	26:56:10	00:05:42	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:56:10	00:05:42	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:21:52	00:01:25	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		मक	16:32:51	00:00:27	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:46:48	00:01:17	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	08:24:29	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:21

लग्न-चलित

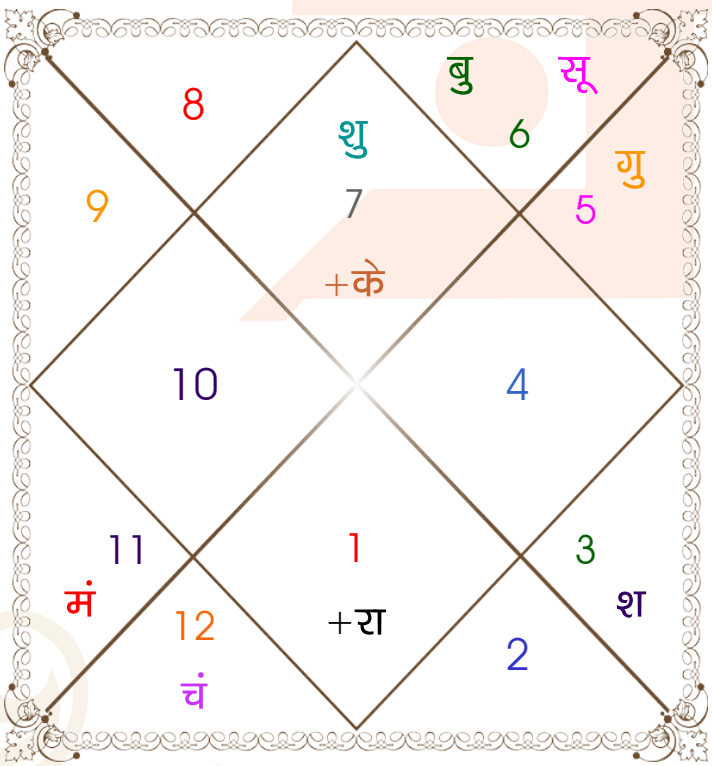

चन्द्र कुंडली

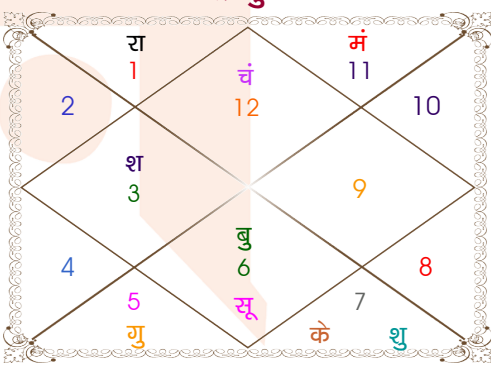

नवमांश कुंडली

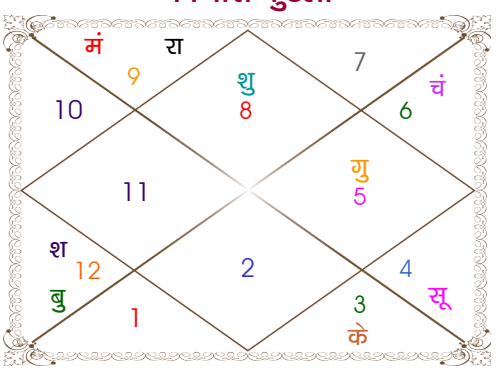

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 11 मास 10 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
09/10/2003		18/09/2016		18/09/2033		18/09/2040		18/09/2060	
18/09/2016		18/09/2033		18/09/2040		18/09/2060		18/09/2066	
	00/00/0000	बुध	15/02/2019	केतु	14/02/2034	शुक्र	18/01/2044	सूर्य	05/01/2061
	09/10/2003	केतु	12/02/2020	शुक्र	16/04/2035	सूर्य	18/01/2045	चंद्र	07/07/2061
केतु	10/07/2004	शुक्र	13/12/2022	सूर्य	22/08/2035	चंद्र	18/09/2046	मंगल	12/11/2061
शुक्र	10/09/2007	सूर्य	19/10/2023	चंद्र	22/03/2036	मंगल	19/11/2047	राहु	07/10/2062
सूर्य	22/08/2008	चंद्र	20/03/2025	मंगल	18/08/2036	राहु	18/11/2050	गुरु	26/07/2063
चंद्र	23/03/2010	मंगल	17/03/2026	राहु	06/09/2037	गुरु	19/07/2053	शनि	07/07/2064
मंगल	02/05/2011	राहु	03/10/2028	गुरु	13/08/2038	शनि	18/09/2056	बुध	13/05/2065
राहु	08/03/2014	गुरु	09/01/2031	शनि	22/09/2039	बुध	20/07/2059	केतु	18/09/2065
गुरु	18/09/2016	शनि	18/09/2033	बुध	18/09/2040	केतु	18/09/2060	शुक्र	18/09/2066

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/09/2066		18/09/2076		19/09/2083		19/09/2101		19/09/2117	
18/09/2076		19/09/2083		19/09/2101		19/09/2117		00/00/0000	
चंद्र	20/07/2067	मंगल	14/02/2077	राहु	01/06/2086	गुरु	07/11/2103	शनि	22/09/2120
मंगल	18/02/2068	राहु	05/03/2078	गुरु	24/10/2088	शनि	21/05/2106	बुध	02/06/2123
राहु	19/08/2069	गुरु	08/02/2079	शनि	31/08/2091	बुध	26/08/2108	केतु	10/10/2123
गुरु	19/12/2070	शनि	19/03/2080	बुध	20/03/2094	केतु	01/08/2109		00/00/0000
शनि	19/07/2072	बुध	17/03/2081	केतु	07/04/2095	शुक्र	01/04/2112		00/00/0000
बुध	18/12/2073	केतु	13/08/2081	शुक्र	07/04/2098	सूर्य	19/01/2113		00/00/0000
केतु	20/07/2074	शुक्र	13/10/2082	सूर्य	02/03/2099	चंद्र	21/05/2114		00/00/0000
शुक्र	19/03/2076	सूर्य	18/02/2083	चंद्र	01/09/2100	मंगल	27/04/2115		00/00/0000
सूर्य	18/09/2076	चंद्र	19/09/2083	मंगल	19/09/2101	राहु	19/09/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 11 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।